Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, द्वितीय सत्र

सांख्य योग-2

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. महर्षि-व्यास-भाष्यानुसार क्रिया योग के स्वरूप तथा प्रयोजन की व्याख्या विस्तार से करें।

2. योगदर्शनानुसार दु:ख के भेदों का प्रसंगानुकुल विस्तार से वर्णन करें।

3. ''योगाङ्गानुष्ठानादशुद्धिक्षये जानदीप्तिराविवेकख्यातेः'' सूत्र का अभिप्राय तथा इनमें कार्यकारणता का सम्बन्ध निरूपण करें।

4. सांख्य-दर्शनानुसार प्रकृति की प्रवृत्ति का प्रयोजन का विस्तार से वर्णन करें।

5. श्रीमदीश्वरकृष्ण विरचित सांख्यकारिका के अनुसार सृष्टि-प्रक्रिया की व्याख्या करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. योग-दर्शन के अनुसार क्लेश के स्वरूप, संख्या तथा नामों का उल्लेख करें।

7. अविप्लवा विवेकख्याति का स्वरूप तथा प्रयोजन की व्याख्या प्रस्तुत करें।

8. प्रतिपक्ष भावना को योगदर्शन तथा व्यास भाष्य के अनुसार व्याख्या करें।

9. योगदर्शनानुसार प्राणायाम के फलों का विवरणपूर्वक प्राणायाम की संख्या और नाम लिखें।

10. व्यासभाष्यानुसार प्रत्याहार का स्वरूप तथा फल का वर्णन करें।

11. सांख्यदर्शन के अनुसार बुद्धि और अहंकार के कार्यों में अन्तर प्रदर्शन करते हुये संक्षेप वर्णन करें।

12. सांख्य सिद्धान्त के अनुसार मन के स्वरूप तथा कार्य का उल्लेख करें।

----------X----------